वर्षारानी

आई वर्षारानी आई
वर्षारानी आई
देखो देखो आसमान में
कितनी बदली छायी।
ठंडी ठंडी हवा की लहरें
लगतीं कितनी प्यारी
भर देती हैं तन में सिहरन
मन में उमंग निराली।
नन्ही नन्ही बूँदें झरतीं
झरतीं कभी फुहारें
कभी टपाटप, कभी झमाझम
चलती रहीं हिलोरें।
गड़ गड़ गड़ गड़ बजे नगाड़े
तड़ तड़ नाचे बादल
चमचम चमकी बिजली साजे
आतशबाजी हुनर।
आओ आओ हम सब बच्चे
नाचें गाएँ मिलकर
आई वर्षारानी आई
स्वागत करें सब चलकर।

शिक्षक के लिए :

शिक्षक वर्षा पर आधारित कोई गीत सुनाएँगे । छात्र-छात्राएँ ताली बजाकर उसे सस्वर गाएँगे । अब कविता का भाव बताकर शिक्षक छात्रों से कहेंगे कि आज हम वर्षा पर एक कविता पढ़ेंगे ।

शब्दार्थ:

आसमान	=	आकाश
लहर	=	तरंग
तन	=	शरीर
सिहरन	=	रोमांच
उमंग	=	उत्साह
निराली	=	अजीब
नन्ही	=	छोटी
फुहारें	=	नन्ही-नन्ही बुँदों की झड़ी
हिलोरें	=	तरंगें
नगाड़ा	=	एक प्रकार का बाजा
हुनर	=	कला

अनुशीलनी

१. इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से दीजिए :

क) कौन आई ?

ख) बदली कहाँ छा जाती है ?

ग) हवा तन में क्या भर देती है ?

घ) बूँदें कैसी हैं ?

ङ) बादल कैसे नाचते हैं ?

२. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

क) आसमान में क्या छा जाती है ?

ख) हवा कैसी लगती है ?

ग) बादल कैसे शब्द करते है ?

घ) बिजली कैसे चमकती है ?

ङ) वर्षा होने पर बच्चे क्या करते हैं ?

३. सही शब्दों से वाक्यों को भरिए :

क) गड़ गड़ गड़ गड़ बजे —

ख) देखो देखो आसमान में कितनी — छायी ।

ग) भर देती हैं तन में —

घ) मन में — निराली

ङ) कभी टपाटप, कभी —

४. क्रिया पद जोड़कर ऐसे दस वाक्य लिखिए :

जैसे-	वर्षा होती है ।	मेघ गरजता है ।
	गाय	सूरज
	मछली	चाँद
	हवा	आदमी
	बिजली	नगाड़े

आपके लिए काम

(अध्यापक बच्चों को कर्ता-क्रिया के संबंध को उदाहरण द्वारा सिखाएँ । यह भी बताएँ कि प्राणिवाचक और अप्राणिवाचक शब्दों के लिंग जानना जरूरी है ।)